

सुप्रीम कोर्ट ने सरकार और NPPA को घेरा, पूछा—दवा की कीमतों पर लगाम क्यों नहीं? कैंसर की दवाओं के बाद अब पूरे फार्मा बाजार के मुनाफे पर उठे सवाल



24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली। मरीज बीमारी से लड़ने के लिए दवा खरीदता है, लेकिन दवा की कीमत में छिपा मुनाफा उसकी जेब पर कितना भारी पड़ रहा है, इस पर अब सुप्रीम कोर्ट ने गंभीर सवाल खड़े किए हैं। दवा की लागत, रिटेलर को मिलने वाले भाव और पैकेट पर छपी अधिकतम खुदरा कीमत (MRP) के बीच जमीन-आसमान का अंतर अदालत को खटक रहा है। शीर्ष अदालत ने सरकार से पूछा है कि आखिर पूरा तंत्र दवा निर्माताओं के हितों की रक्षा करता क्यों नजर आ रहा है? दवाओं की कीमतों पर नियंत्रण की जिम्मेदारी संभालने वाली नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी (NPPA) की भूमिका पर भी अदालत ने सवाल उठाए हैं। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने सुनवाई के दौरान दवाओं की कीमतों में भारी अंतर पर चिंता जताते हुए सवाल किया कि जब यह सब

सरकार की नजरों के सामने हो रहा है, तो क्या इसे बिना प्रभावी नियंत्रण के जारी रहने दिया जाना चाहिए? अदालत की नाराजगी का केंद्र केवल किसी एक दवा की कीमत नहीं, बल्कि वह व्यवस्था है, जिसमें दवा की वास्तविक लागत और उपभोक्ता से वसूली जाने वाली अधिकतम कीमत के बीच बड़ा फासला दिखाई देता है। दोनों मामलों में सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया।

लागत कुछ रुपये, MRP कई गुना; मरीज के हिस्से में महंगा इलाज

मामले की गंभीरता को एक उदाहरण से समझा जा सकता है। यदि किसी दवा की लागत 10 से 20 रुपये है, वह खुदरा विक्रेता को 30 रुपये में उपलब्ध होती है और उस पर 150 से 200 रुपये तक MRP छपी होती है, तो कीमतों के इस अंतर का औचित्य क्या है? यही वह सवाल है, जिस पर अदालत सरकार से जवाब चाहती है। हालांकि, किसी दवा की उत्पादन लागत और MRP के बीच का अंतर अपने आप में अवैध मुनाफे का प्रमाण नहीं है। दवा की कीमत में अनुसंधान, निर्माण, गुणवत्ता परीक्षण, पैकेजिंग, वितरण, विपणन और अन्य खर्च भी शामिल हो सकते हैं। लेकिन इन खर्चों के नाम पर कीमतों में कितना अंतर उचित है और उसकी निगरानी कौन करेगा, यह सवाल

अब केंद्र में आ गया है।

दवाओं की कीमतों का असर केवल बाजार तक सीमित नहीं रहता। अस्पताल में भर्ती होने से लेकर लंबे समय तक चलने वाले इलाज तक, दवाओं पर होने वाला खर्च परिवारों के बजट को प्रभावित करता है। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, ग्रामीण क्षेत्रों में कुल इलाज खर्च का लगभग 19 प्रतिशत और शहरी क्षेत्रों में 15 प्रतिशत हिस्सा दवाओं पर खर्च होता है। यानी औसतन स्वास्थ्य खर्च का करीब 17 प्रतिशत दवाओं पर जाता है। ऐसे में दवाओं की कीमतों में राहत का सीधा असर मरीजों और उनके परिवारों पर पड़ सकता है।

कैंसर की दवाओं से शुरू हुई बहस, अब व्यापक मूल्य नियंत्रण पर नजर

दवाओं की कीमतों को लेकर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती हालिया सुनवाई तक सीमित नहीं है। 12 अक्टूबर को हुई सुनवाई में अदालत ने एंटी-कैंसर दवाओं के ट्रेड मार्जिन को MRP के 30 प्रतिशत तक सीमित करने के केंद्र सरकार के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए इसे सीमित राहत के तौर पर देखा था। अदालत ने यह भी सवाल किया था कि जब कैंसर की दवाओं पर ट्रेड मार्जिन सीमित किया जा सकता है, तो दूसरी दवाओं के मामले में ऐसा करने की संभावनाओं पर विचार क्यों नहीं किया जाता।

केंद्र सरकार ने अदालत को बताया था कि एंटी-कैंसर दवाओं पर ट्रेड मार्जिन की सीमा तय करने से मरीजों को सालाना करीब 2,500 करोड़ रुपये की बचत होने की उम्मीद है। यह कदम महत्वपूर्ण है, लेकिन अदालत की चिंता इससे कहीं व्यापक है। सवाल यह है कि क्या दवाओं की कीमतों पर नियंत्रण चुनिंदा

श्रेणियों तक सीमित रहना चाहिए या पूरे बाजार में मूल्य निर्धारण और मुनाफे की व्यवस्था की समीक्षा होनी चाहिए।

इससे पहले 29 सितंबर की सुनवाई में कैंसर की दवाओं की कीमतों में भारी अंतर पर सुप्रीम कोर्ट ने तीखी नाराजगी जताई थी। अदालत ने सवाल किया था कि 2,700 रुपये की दवा पर 27,000 रुपये की MRP कैसे हो सकती है। उस सुनवाई में अदालत की सख्त टिप्पणी ने दवाओं की कीमतों और मरीजों पर पड़ने वाले आर्थिक बोझ को राष्ट्रीय बहस के केंद्र में ला दिया था।

जरूरी दवाओं पर नियंत्रण, बाकी के लिए कितनी गुंजाइश?

भारत में दवाओं की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए ड्रग प्राइस कंट्रोल ऑर्डर (DPCO), 2013 लागू है। इसके तहत राष्ट्रीय आवश्यक औषधि सूची (NLEM) में शामिल दवाओं की कीमतों पर सरकारी नियंत्रण रहता है। इन दवाओं की अधिकतम कीमत तय करने की प्रक्रिया में बाजार के आंकड़ों और निर्धारित नियमों का इस्तेमाल किया जाता है। तय सीमा से अधिक कीमत पर दवा बेचना नियमों का उल्लंघन हो सकता है। स्वास्थ्य मंत्रालय आवश्यक दवाओं की सूची तैयार करता है, जिसमें देश में प्रचलित बीमारियों और लोगों की स्वास्थ्य जरूरतों को ध्यान में रखा जाता है। समय-समय पर इस सूची की समीक्षा भी होती है। राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण यानी NPPA का दायित्व निर्धारित नियमों के अनुसार दवाओं की कीमतों को नियंत्रित करना और संबंधित प्रावधानों के पालन की निगरानी करना है।

SIR पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, CJI बोले- हमें सब पता, जांच करेंगे, चुनाव आयोग के हलफनामे पर याचिकाकर्ताओं को 10 दिन में जवाब देने का निर्देश, 17 नवंबर को अगली सुनवाई



24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) और चुनाव आयोग के कामकाज को लेकर चल रही कानूनी लड़ाई में सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को अहम टिप्पणी की। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की पीठ ने याचिकाकर्ताओं से चुनाव आयोग के हलफनामे पर 10 दिन के भीतर जवाब दाखिल करने को कहा। मामले की अगली सुनवाई 17 नवंबर को होगी। सुनवाई के दौरान जब वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने आयोग की बैठकों और आपसी संवाद से जुड़े रिकॉर्ड सुरक्षित रखने का आग्रह किया, तो मुख्य न्यायाधीश ने कहा, हमें सब पता है। हम जांच करेंगे।

याचिकाकर्ताओं की ओर से दलील दी गई कि चुनाव आयोग ने सोमवार को ही

अपना जवाब दाखिल किया है, इसलिए उसका अध्ययन कर जवाब देने के लिए समय दिया जाना चाहिए। इस पर अदालत ने 10 दिन की समय-सीमा तय कर दी। याचिका में राहुल गांधी और विपक्षी नेताओं की ओर से SIR की प्रक्रिया तथा चुनाव आयोग के कामकाज से जुड़े मुद्दे उठाए गए हैं।

चुनाव आयोग का दावा- तीनों आयुक्तों की सहमति से हुए फैसले

इससे पहले सोमवार को चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल हलफनामे में कहा था कि SIR से जुड़े फैसले मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयुक्त सुखवीर सिंह संघू तथा विवेक जोशी की सर्वसम्मति से लिए गए थे। आयोग के अनुसार, हलफनामे पर तीनों के हस्ताक्षर हैं। उसने यह भी स्पष्ट किया कि SIR के फॉर्म-6 में कोई बदलाव नहीं किया गया है और नियमों के मुताबिक इसमें बदलाव का अधिकार केंद्र सरकार के पास है। आयोग ने यह दलील भी दी कि किसी फाइल पर

दर्ज सवाल, सुझाव या आपत्तियों को अंतिम निर्णय का विरोध नहीं माना जा सकता। मतदाता सूची में नाम जोड़ने या हटाने का फैसला सक्षम चुनाव पंजीकरण अधिकारी के आदेश के बिना नहीं किया जाएगा।

मतदाताओं की सुनवाई और तकनीकी जांच पर भी जवाब

चुनाव आयोग ने बताया कि जिन मतदाताओं के नाम पुरानी मतदाता सूची से नहीं जुड़ पाए हैं, उनके दस्तावेज जुटाने के लिए बूथ लेवल अधिकारियों (BLO) की मदद ली जाएगी। ऐसे मतदाताओं को हर मामले में सुनवाई के लिए कार्यालय बुलाना जरूरी नहीं होगा। आवश्यकता पड़ने पर सुनवाई की जाएगी और जहां संभव होगा, ऑनलाइन व्यवस्था अपनाई जाएगी। आयोग ने ECINet प्लेटफॉर्म की कार्यप्रणाली और नियमों के अनुपालन की जांच के लिए IIT मद्रास तथा IISc बंगलुरु के विशेषज्ञों की समिति गठित किए जाने की जानकारी भी दी। मुख्य चुनाव आयुक्त को पद से हटाने की संवैधानिक प्रक्रिया का उल्लेख करते हुए आयोग ने कहा कि उन्हें उसी प्रक्रिया और उन्हीं आधारों पर हटाया जा सकता है, जो सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश को हटाने के लिए निर्धारित हैं। आयोग ने अदालत को बताया कि दशहरे की छुट्टियों के कारण फिलहाल संक्षिप्त जवाब दाखिल किया गया है। जरूरत पड़ने पर वह आरोपों पर विस्तृत जवाब भी देगा।

सीधा व्यापार बंद, फिर भी पाकिस्तान में भारतीय सामान की मांग 69% बढ़ी



24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली। पाकिस्तान ने भारत के साथ सीधे व्यापार पर रोक के बावजूद भारतीय सामान की खरीद बढ़ा दी है। स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान (एसबीपी) के आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2026-27 की जुलाई से सितंबर अवधि में पाकिस्तान ने भारत से 61.74 मिलियन डॉलर का सामान आयात किया, जो पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 69 प्रतिशत अधिक है। हालांकि, दिए गए डॉलर और रुपये के आंकड़ों में अंतर दिखाई देता है, इसलिए रुपये में कुल राशि की पुष्टि आवश्यक है। वहीं, इसी अवधि में पाकिस्तान से भारत का आयात शून्य बताया गया है।

2025 में पहलगाम आतंकी हमले के बाद दोनों देशों के बीच सीधा व्यापार बंद होने के बावजूद भारतीय उत्पादों की मांग बनी हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक, व्यापारी दुबई, सिंगापुर और श्रीलंका जैसे तीसरे देशों के माध्यम से सामान मंगवा रहे हैं। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के संस्थापक अजय श्रीवास्तव के अनुसार, तीसरे देशों के रास्ते होने वाला अनौपचारिक कारोबार सालाना 10 अरब डॉलर से अधिक हो सकता है। हालांकि, इस अनुमान और सामान की री-लेबलिंग के दावों की स्वतंत्र पुष्टि जरूरी है। अतिरिक्त परिवहन और अन्य लागतों के कारण पाकिस्तानी उपभोक्ताओं को भारतीय उत्पाद महंगे दामों पर मिलने की बात भी रिपोर्ट में कही गई है।

24
NEWS
UPDATE

**NATIVE ADVERTISING
FOR E-COMMERCE**

24 न्यूज अपडेट
से मुझे मिले बढ़िया ग्राहक

24 न्यूज अपडेट पर ऐड बुक करें

घर बैठे ऐड बुकिंग
आसान ऑनलाइन पेमेंट

कॉल :
8852073787

माइक्रोसॉफ्ट का कर्मचारियों को नौकरी छोड़ने पर एक साल तक की सैलरी देने का ऑफर, भारतीय कर्मचारी भी दायरे में



24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) पर बढ़ते निवेश और तकनीकी ढांचे पर खर्च के बीच माइक्रोसॉफ्ट ने कर्मचारियों की संख्या घटाने के लिए स्वैच्छिक एग्जिट स्कीम पेश की है। इसके तहत

पात्र कर्मचारियों को नौकरी छोड़ने के बदले उनके ग्रेड के अनुसार एक साल तक की सैलरी एकमुश्त देने का प्रस्ताव है। इस योजना के दायरे में भारत, अमेरिका, ब्रिटेन और कनाडा के कर्मचारी शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी में करीब 2.23 लाख कर्मचारी कार्यरत हैं, जिनमें लगभग 23 हजार

भारत में हैं। यह योजना लेवल-70 या उससे नीचे के पदों पर काम करने वाले पात्र कर्मचारियों के लिए है। हालांकि, कुल कितने कर्मचारियों को यह प्रस्ताव दिया जाएगा, इसकी स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। पात्र कर्मचारियों को ईमेल के जरिए सूचना देने

और प्रस्ताव पर फैसला लेने के लिए 1 दिसंबर तक का समय देने की बात कही गई है।

स्वैच्छिक विदाई, आगे छुट्टी की भी आशंका कंपनी की इस योजना में कर्मचारियों को स्वयं नौकरी छोड़ने का विकल्प दिया जा रहा है। जो कर्मचारी प्रस्ताव स्वीकार नहीं करेंगे, वे अपनी मौजूदा भूमिका में काम जारी रख सकते हैं या उन्हें दूसरी टीम अथवा प्रोजेक्ट में जिम्मेदारी दी जा सकती है। रिपोर्ट में आशंका जताई गई है कि स्वैच्छिक योजना से खर्च घटाने का लक्ष्य पूरा नहीं होने पर कंपनी भविष्य में अनिवार्य छुट्टी का रास्ता भी अपना सकती है। माइक्रोसॉफ्ट इससे पहले भी कर्मचारियों की संख्या में कटौती कर चुकी है। रिपोर्ट के मुताबिक, मई और जुलाई 2025 में करीब 15 हजार कर्मचारियों की नौकरियों पर असर पड़ा था, जबकि जुलाई 2026 में लगभग 4,800 पद खत्म किए गए। अब नई योजना के जरिए कंपनी कर्मचारियों की संख्या और परिचालन लागत घटाने की दिशा में कदम उठा रही है।

संपादकीय : समाधान की राह

सरकार की ओर से जब किसी बड़ी परियोजना को स्वीकृति दी जाती है, तो यह उम्मीद की जाती है कि स्थानीय लोगों के हितों की अनदेखी नहीं की जाएगी और उसके पर्यावरणीय एवं पारिस्थितिकीय प्रभावों को भी ध्यान में रखा जाएगा। मगर, इन सभी पहलुओं को लेकर अगर कोई आशंका पैदा होती है, तो विरोध के स्वर उठना स्वाभाविक है। अरुणाचल प्रदेश में प्रस्तावित सियांग अपर बहुउद्देश्यीय पनबिजली परियोजना को लेकर स्थानीय लोगों में व्याप्त रोष भी इसी का नतीजा है, जो अब सड़कों पर उग्र प्रदर्शनों के रूप में सामने आ रहा है। ईस्ट सियांग जिले में बीते शुक्रवार की रात को भीड़ ने एनएचपीसी के कार्यालय और एक पुलिस थाने को आग के हवाले कर दिया। साथ ही भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सहित दो नेताओं के आवासों में तोड़फोड़ भी की गई। इस घटना के बाद केंद्र सरकार ने क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए त्वरित प्रतिक्रिया बल की दो कंपनियां राज्य में भेजी हैं। मगर सवाल है कि क्या परियोजना का विरोध कर रहे लोगों की चिंता और आशंकाओं का समाधान सुरक्षाबलों की सख्ती से हो पाएगा? क्या सरकार की ओर से संवाद के जरिए लोगों को भरोसे में लेने की पहल नहीं की जानी चाहिए ? दरअसल, सियांग बहुउद्देशीय परियोजना को लेकर उपजा विरोध विकास, स्थानीय लोगों के हित और पर्यावरण के बीच संतुलन से जुड़ा मसला है। क्षेत्र के लोग आशंकित हैं कि इस परियोजना के तहत बनने वाले बांध से उनके गांव और उपजाऊ कृषि भूमि जलमग्न हो जाएगी। साथ ही बड़ी संख्या में गांवों के लोगों का विस्थापन हो सकता है। यहां के जनजाति समुदाय का सियांग घाटी से गहरा सांस्कृतिक तथा आजीविका का जुड़ाव है। उन्हें

डर है कि यह परियोजना उनके पारंपरिक जीवन और संस्कृति को नष्ट कर देगी। यह क्षेत्र चूँकि हिमालयी पट्टी में आता है, इसलिए भूकंप की दृष्टि से भी इस परियोजना को संवेदनशील माना जा रहा है। ऐसे में यह सवाल अहम है कि क्या विकास के नाम पर स्थानीय लोगों की चिंताओं को नजरअंदाज किया जा सकता है ? व्यापक स्तर पर विरोध को देखते हुए यह सरकार की जिम्मेदारी है कि वह परियोजना से जुड़ी आशंकाओं का समाधान संवाद, भरोसे और जनभागीदारी से निकालने की कोशिश करे। इसके बजाय क्षेत्र में सुरक्षाबलों की अतिरिक्त तैनाती स्थानीय लोगों में नाराजगी को और बढ़ा सकती है। इसमें दोराय नहीं कि सियांग नदी पर प्रस्तावित इस परियोजना से बड़े पैमाने पर बिजली उत्पादन की संभावनाएं जुड़ी हैं। इसके अलावा जल संसाधनों के प्रबंधन और बाढ़ के प्रभाव को कम करने में भी इससे मदद मिलने की उम्मीद है। मगर यह परियोजना तभी सार्थक मानी जाएगी, जब स्थानीय लोगों के हितों को भी इससे जोड़ा जाए। इस बात को भी ध्यान में रखना जरूरी है कि यह विरोध प्रदर्शन ऐसे समय हो रहा है, जब अरुणाचल में सीमा पर चीनी सेना की अवैध गतिविधियों से तनाव बना हुआ है। हाल ही में आइटीबीपी के महानिदेशक ने इस चिंता को रेखांकित किया था। ऐसे में विरोध प्रदर्शनों की संवेदनशीलता और स्थानीय लोगों के अधिकारों एवं हितों की अनदेखी करना उचित नहीं होगा। इसे केवल विकास विरोधी मानसिकता मानकर खारिज नहीं किया जा सकता। सरकार को परियोजना के संभावित लाभ, नुकसान, विस्थापन और पर्यावरणीय प्रभावों से संबंधित सभी मसलों पर स्थानीय लोगों से नियमित संवाद कर उन्हें विश्वास में लेने की कोशिश करनी चाहिए।

पूंजी का पलायन

भारत की गिनती भले ही दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में की जाती है, लेकिन विदेशी निवेशकों का भारतीय बाजार से मुंह मोड़ने का सिलसिला लगातार जारी है । यह स्थिति देश की अर्थव्यवस्था के लिए कई स्तरों पर चिंता पैदा करती है। खबरों के मुताबिक, विदेशी निवेशकों ने अक्टूबर में अब तक 48 हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि शेरार बाजार से निकाली है, जो सितंबर की करीब 35 हजार करोड़ रुपए की निकासी से कहीं अधिक है । इस वर्ष की कुल निकासी 3.08 लाख करोड़ रुपए के पार जा चुकी है, जबकि वर्ष 2025 में यह आंकड़ा 1.66 लाख करोड़ रुपए था। विदेशी निवेशकों के इस रुख को पश्चिम एशिया में तनाव से कच्चे तेल की ऊंची कीमतों, बढ़ती महंगाई और कंपनियों की कमाई को लेकर उपजी आशंकाओं से जोड़ा जा रहा है। मगर केवल बाहरी कारणों का हवाला देकर सरकार अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकती। हालांकि, विदेशी निवेश को प्रोत्साहन के लिए घोषणाएं और सुधार होते रहे हैं। मगर सवाल है कि क्या ये इतने ठोस और प्रभावी हैं कि

अनिश्चित दौर में भी निवेशकों को बाजार में टिकाए रख सकें ? ऐसे समय में जब दुनिया के दूसरे उभरते बाजार निवेशकों को रिझाने में जुटे हो, तब सिर्फ संभावनाओं पर जोर देना ही पर्याप्त नहीं होगा। स्थिर नीतियां, पारदर्शी नियम और त्वरित मंजूरी की व्यवस्था टिकाऊ विश्वास का निर्माण करती हैं। भारतीय बाजार में विदेशी पूंजी के प्रवाह का घटना स्तर भी इसी ओर इशारा करता है। विदेशी निवेशकों की हिस्सेदारी लगातार कम हो रही है, हालांकि राहत की बात यह है घरेलू संस्थागत निवेशकों और निवेशकों का भारतीय बाजार से मोह भंग क्यों हो रहा है और उनका भरोसा कायम करने के लिए किस तरह के कदम उठाए जा सकते हैं। डालर के मुकाबले रुपए की मजबूती पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। साथ ही देश की आर्थिक स्थिरता, निगमित ढांचे की मजबूती और विकास की संभावनाओं को वैश्विक मंचों पर प्रभावी तरीके से प्रस्तुत करने की जरूरत है।

दीपावली मेले से पहले पूरा होगा शक्तिनगर बॉटल नेक का काम, महापौर ने लिया जायजा



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। दीपावली मेले के दौरान शहर की सड़कों पर बढ़ने वाले यातायात दबाव के बीच शक्तिनगर बॉटल नेक से गुजरने वाले लोगों को राहत दिलाने के लिए नगर निगम ने निर्माण कार्य जल्द पूरा कराने पर जोर दिया है। महापौर पारस सिंघवी ने मंगलवार को मौके पर पहुंचकर कार्य की प्रगति का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों व कार्यकारी एजेंसी को काम में तेजी लाने के निर्देश दिए। निगम

का प्रयास है कि मेले में शहरवासियों के साथ बाहर से आने वाले मेलार्थियों को भी आवागमन में परेशानी का सामना नहीं करना पड़े।

समयसीमा और गुणवत्ता पर नजर

निरीक्षण के दौरान महापौर ने निर्माण कार्य की मौजूदा स्थिति की जानकारी ली और कार्य पूरा होने की संभावित समयसीमा के बारे में अधिकारियों से चर्चा की। उन्होंने कहा कि दीपावली मेला उदयपुर की महत्वपूर्ण परंपरा और पहचान है। इस दौरान शहर और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं, ऐसे में यातायात का सुचारू संचालन और आमजन की सुविधा सुनिश्चित करना जरूरी है। उन्होंने नियमित मॉनिटरिंग के साथ निर्माण की गुणवत्ता बनाए रखने और निर्धारित समय में काम पूरा करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान पार्षद विजय आहूजा और रौनक भंडारी भी मौजूद रहे।

विधायक मद से तीन सीसी सड़कों का निर्माण शुरू, 9 लाख रुपये होंगे खर्च



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार के तहत यूनिवर्सिटी रोड क्षेत्र में विधायक मद से तीन सीसी सड़कों के निर्माण कार्य शुरू किए गए। शहर विधायक ताराचंद जैन और भाजपा जिला अध्यक्ष गजपाल सिंह राठौड़ ने क्षेत्रीय पार्षद वीरेंद्र सिंह सिसोदिया की उपस्थिति में निर्माण कार्यों का शुभारंभ किया। तीनों सड़कों के निर्माण पर कुल 9 लाख रुपये खर्च

किए जाएंगे। निर्माण कार्यों के तहत यूनिवर्सिटी रोड स्थित धर्मराज जी मंदिर (देव डुंगरी बावजी) के पास, प्रताप चौक पर दूध डेयरी के समीप वाली गली और विष्णु अग्रवाल के घर के पास वाली गली में सीसी सड़कें बनाई जाएंगी। इन सड़कों के निर्माण से स्थानीय निवासियों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और क्षेत्र की बुनियादी सुविधाएं बेहतर होंगी। इस अवसर पर विधायक ताराचंद जैन ने कहा कि शहर के विकास के लिए धन की कोई कमी नहीं है। क्षेत्र की आवश्यकताओं और आमजन की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विकास कार्य कराए जा

रहे हैं। बेहतर सड़कें और सुगम आवागमन उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। शहर के विभिन्न क्षेत्रों में जरूरत के अनुसार विकास कार्यों को गति दी जा रही है, ताकि नागरिकों को रोजमर्रा की समस्याओं से राहत मिल सके। भाजपा जिला अध्यक्ष गजपाल सिंह राठौड़ ने भी कहा कि स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप आधारभूत सुविधाओं का विस्तार जरूरी है। विकास कार्यों से आमजन को राहत मिलने के साथ क्षेत्र की सुविधाओं में भी सुधार होता है। कार्यक्रम में महामंत्री देवीलाल सालवी, किरण तातेड, पूर्व पार्षद ओम चित्तौड़ा, शक्ति केंद्र संयोजक सुनील चित्तौड़ा, हरि सिंह सिकरवाल, भैरूलाल पहाड़िया सहित भाजपा कार्यकर्ता और क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

पंचायत चुनाव में माकपा ने बनाया जल-जंगल-जमीन और ग्रामीण समस्याओं को मुद्दा



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। पंचायत चुनाव को लेकर भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माक्सवादी) ने उदयपुर जिले के आदिवासी बहुल सायरा और कोटड़ा क्षेत्रों में जनसंपर्क अभियान तेज कर दिया है। पार्टी के जिला परिषद और पंचायत समिति प्रत्याशियों ने विभिन्न गांवों में आमजन से संपर्क कर विकास, भ्रष्टाचार पर अंकुश और सरकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने के मुद्दों पर माकपा के पक्ष में मतदान की अपील की। जिला परिषद उदयपुर के सायरा क्षेत्र के वार्ड नंबर 1 से रताराम गमेती और वार्ड नंबर 9 से नीमाराम तथा वार्ड नंबर 10 से कालूराम चुनाव मैदान में हैं। वहीं, कोटड़ा क्षेत्र के जिला परिषद वार्ड नंबर 8 से रमेश कुमार, पंचायत समिति के वार्ड नंबर 9 से शारदा देवी, वार्ड नंबर 10 से सूर्यकुमार और वार्ड नंबर 15 से संगीता कुमारी ने भी अपने क्षेत्रों में जनसंपर्क कर समर्थन मांगा।

जल-जंगल-जमीन के सवालों पर भाजपा-कांग्रेस को घेरा

प्रचार अभियान के दौरान माकपा जिला सचिव

राजेश सिंघवी ने विभिन्न सभाओं और बैठकों को संबोधित करते हुए कहा कि राजनीति को लेकर लोगों की नाराजगी के बावजूद इसका सीधा असर आमजन के जीवन पर पड़ता है। उन्होंने भाजपा और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि दोनों दलों की राजनीति जनता को निर्भर बनाए रखती है, जबकि लाल झंडे की राजनीति लोगों को अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करने की ताकत देती है। सिंघवी ने कहा कि पंचायत चुनाव केवल जनप्रतिनिधि चुनने का अवसर नहीं, बल्कि आदिवासी और ग्रामीण समुदायों के जल, जंगल, जमीन, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सम्मान से जुड़े सवालों को मजबूती से उठाने का माध्यम भी है। उन्होंने आरोप लगाया कि क्षेत्र के कई अंदरूनी गांव आज भी सड़क, पेयजल, बिजली, स्कूल, अस्पताल और राशन जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं। सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिलने के बावजूद भाजपा और कांग्रेस विकास के नाम पर वोट मांग रही हैं। उन्होंने ग्रामीणों से अपने अधिकारों और स्वाभिमान की रक्षा के लिए माकपा प्रत्याशियों को समर्थन देने की अपील की। सभाओं में माकपा नेता गुमान सिंह राव, हीरालाल सालवी, प्रेम पारगी, प्रभुलाल भगोरा, दल्लाराम, जगदीश पारगी, नाथाराम, देवाराम, वरदाराम और श्रवण सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने भी विचार व्यक्त किए और पार्टी प्रत्याशियों के पक्ष में मतदान की अपील की।

एमएलएसयू के पीजीडीआरपी विद्यार्थियों ने दिव्यान ट्रस्ट का किया शैक्षणिक भ्रमण



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय (एमएलएसयू) के पीजीडीआरपी पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों ने दिव्यान ट्रस्ट, उदयपुर का शैक्षणिक भ्रमण कर विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के विकास, सामाजिक परिपक्वता और व्यवहारिक क्षमताओं के आकलन की प्रक्रिया को समझा। भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को मनोविज्ञान के सैद्धांतिक ज्ञान से आगे बढ़कर व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना था। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को विनलैंड सोशल मैच्योरिटी स्केल (वीएसएमएस), गेसल ड्राइंग टेस्ट और सेगुइन फॉर्म बोर्ड टेस्ट जैसे मनोवैज्ञानिक आकलन उपकरणों की कार्यप्रणाली से अवगत कराया गया। इन उपकरणों के माध्यम से बच्चों की सामाजिक परिपक्वता, विकासात्मक स्तर

और विभिन्न क्षमताओं के आकलन की जानकारी दी गई। भ्रमण की रूपरेखा मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. तरुण कुमार शर्मा ने तैयार की। पीजीडीआरपी कार्यक्रम की समन्वयक एवं सहायक आचार्य डॉ. हेमा कुमारी महर ने विद्यार्थियों को वास्तविक जीवन के उदाहरणों के माध्यम से दिव्यांग व्यक्तियों के व्यवहार और दैनिक जीवन में आने वाली चुनौतियों के बारे में बताया। इस अवसर पर अतिथि संकाय सदस्य इंद्रपाल सालवी भी उपस्थित रहे। दिव्यान ट्रस्ट की ओर से सुश्री अनीता टेलर और सचिव अजय पाल सिंह ने सहयोग प्रदान किया। भ्रमण से विद्यार्थियों को विशेष शिक्षा एवं पुनर्वास के क्षेत्र में मनोवैज्ञानिक आकलन की उपयोगिता समझने तथा अपने सैद्धांतिक ज्ञान को व्यावहारिक अनुभव से जोड़ने का अवसर मिला।

6 फीट ऊंची दीवार फांदकर बाड़े में घुसा लेपर्ड, बछड़े का शिकार कर दूसरे रास्ते से भागा



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। गोगुंदा क्षेत्र में लेपर्ड की आवाजाही से ग्रामीणों में दहशत है। 25 अक्टूबर की रात किसान के बाड़े में घुसकर भैंस के बछड़े का शिकार करने वाले लेपर्ड का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। फुटेज में लेपर्ड करीब छह फीट ऊंची दीवार फांदकर बाड़े में प्रवेश करता दिखाई दे रहा है। शिकार करने के बाद वह दूसरे रास्ते से बाहर निकल गया। घटना किसान राजू सिंह पुत्र भूर सिंह के घर के बाड़े में रात करीब डेढ़ बजे हुई। सुबह परिवार को बछड़ा गायब मिला

पालीवाल ब्राह्मण समाज का सामूहिक करवा चौथ उद्यापन 29 अक्टूबर को, 21 जोड़े होंगे शामिल

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 27 अक्टूबर। पालीवाल ब्राह्मण समाज संस्था 44 श्रेणी की ओर से सामूहिक करवा चौथ उद्यापन समारोह 29 अक्टूबर को गणपति वाटिका में आयोजित किया जाएगा। आयोजन में 21 जोड़े भाग लेंगे। समारोह की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। समाज की कार्यकारिणी बैठक में अध्यक्ष यशवंत पालीवाल ने बताया कि आयोजन को व्यवस्थित बनाने के लिए महिला और पुरुष समितियों का गठन कर जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। महिला आयोजन समिति में तरुणा पुरोहित को संयोजक और मधु पालीवाल

को सह-संयोजक बनाया गया है। समिति में नौ अन्य महिलाएं भी शामिल हैं। वहीं, पुरुष व्यवस्था समिति में जसवंत पालीवाल संयोजक और गोविंद पालीवाल सह-संयोजक की जिम्मेदारी निभाएंगे। इस समिति में नौ अन्य पुरुष सदस्य शामिल हैं। समारोह की व्यवस्थाओं के लिए समाज के 35 प्रमुख कार्यकर्ताओं को कार्य विभाजन कर दायित्व सौंपे गए हैं। प्रत्येक जोड़े के साथ 40 परिवारजनों के शामिल होने की संभावना है। निर्धारित संख्या से अधिक सदस्यों के आने पर शुल्क तय किया गया है। महेश जोशी प्रचार प्रमुख ने यह जानकारी दी।



पेपरलीक का एक और राजदार गिरफ्तार, 25 हजार का इनामी असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा से पहले दोनों पेपर सॉल्व कर चुका था

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर/ जयपुर। राजस्थान की बहुचर्चित सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा-2021 पेपरलीक मामले में एसओजी ने एक और फरार आरोपी को गिरफ्तार किया है। 25 हजार रुपए का इनामी आरोपी मनोहर लाल मांजू सिरोही जिले के आबूरोड स्थित सरकारी कॉलेज में सहायक आचार्य के पद पर कार्यरत था। जांच एजेंसी के सुताबिक, आरोपी ने पेपरलीक के सरगना जगदीश विश्नोई और अन्य पेपर सॉल्वरों के साथ मिलकर परीक्षा की दोनों पारियों के प्रश्नपत्र हल किए थे। गिरफ्तारी से बचने के लिए लंबे समय से फरार चल रहे मांजू को एसओजी ने 28 अक्टूबर तक पुलिस रिमांड पर लिया है। एसओजी के एडीजी विशाल बंसल के अनुसार, जांच में सामने आया कि 14 सितंबर 2021 को आयोजित एसआई भर्ती परीक्षा की दोनों पारियों के पेपर जयपुर के शांति नगर, हसनपुरा स्थित रविंद्र बाल भारती सीनियर सेकेंडरी स्कूल परीक्षा केंद्र से परीक्षा से पहले लीक किए गए थे। इसके बाद ओमप्रकाश ढाका से हुए सौदे के तहत लीक प्रश्नपत्र जयपुर के रंगोली गार्डन स्थित एक फ्लैट पर पहुंचाए गए, जहां मनोहर लाल मांजू ने प्रवीण विश्नोई, प्रवीण परावा, राजीव विश्नोई और अन्य आरोपियों के साथ मिलकर दोनों पेपर सॉल्व किए।

15 तोला सोने के लिए पड़ोसी बना कातिल, बुजुर्ग को मारकर छत पर जलाया, राख-हड्डियां नदी में फेंकी



24 न्यूज अपडेट

भीलवाड़ा। जिस पड़ोसी पर भरोसा था, वही बुजुर्ग महिला का कातिल निकला। नजर 15 तोला सोने की ज्वेलरी पर थी और लालच में उसने अपने साथी के साथ मिलकर 70 वर्षीय कमला देवी कांकरिया की कथित तौर पर गला दबाकर हत्या कर दी। आरोप है कि वारदात के बाद शव को छत पर ले जाकर पेट्रोल डालकर जला दिया गया। पहचान और सबूत मिटाने के लिए हड्डियां और राख कोठारी नदी में फेंक दी गईं। भीलवाड़ा पुलिस ने मंगलवार को मामले का खुलासा करते हुए पड़ोसी रवि तापड़िया और उसके साथी हीरा सिंधी को गिरफ्तार किया। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने नदी में JCB की मदद से तलाश कर महिला के अवशेष बरामद किए। मामला भीमगंज थाना क्षेत्र के वीर सावरकर नगर का है। पुलिस के अनुसार, कमला देवी यहां अकेली रहती थीं। उनके पति तेजसिंह कांकरिया की चार साल पहले और बेटे सोरभ कांकरिया की दो साल पहले सड़क हादसे में मौत हो चुकी थी। बहू रवीना अपने दो बच्चों के साथ आजाद नगर में रहती थीं। 15 अक्टूबर को घर में काम करने वाली महिला ने रवीना को बताया कि तीन दिन से कमला

देवी के मकान पर ताला लगा है। इसके बाद बहू ने सास के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई।

CCTV से खुली वारदात की परतें

जांच के दौरान पुलिस को कमला देवी के पड़ोसी रवि तापड़िया पर संदेह हुआ। सीसीटीवी फुटेज में 12 अक्टूबर की शाम वह कमला देवी के साथ जाता दिखाई दिया। पृष्ठताछ में रवि ने पहले दावा किया कि महिला ने उसे बाजार छोड़ने को कहा था और वह उन्हें वहां छोड़ आया। लेकिन जांच में कमला देवी के शहर से बाहर जाने का कोई सुराग नहीं मिला। पुलिस ने दोबारा पृष्ठताछ की तो मामले की कड़ियां खुलती चली गईं। पुलिस के मुताबिक, रवि की नजर कमला देवी की सोने की ज्वेलरी पर थी, जिसकी कीमत करीब 23 लाख रुपये बताई जा रही है। आरोप है कि 12 अक्टूबर को वह महिला को बहाने से अपने साथ ले गया और हीरा सिंधी के साथ मिलकर उनकी गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद ज्वेलरी लूट ली और शव को अपने घर की छत पर ले जाकर पेट्रोल से जला दिया। फिर हड्डियां और राख कोठारी नदी में पालड़ी पुलिया के पास फेंक दीं, ताकि वारदात का कोई सबूत न बचे। पांच घंटे तलाश, JCB से निकाले अवशेष मामले का खुलासा होने के बाद पुलिस ने मंगलवार को आरोपियों की निशानदेही पर कोठारी नदी में तलाशी अभियान चलाया। करीब पांच घंटे तक तलाश के बाद JCB की मदद से मलबे में दबे महिला के अवशेष बाहर निकाले गए। पुलिस अब बरामद अवशेषों और अन्य साक्ष्यों के आधार पर जांच आगे बढ़ा रही है।

जोधपुर में ट्रेन रवाना होने से 5 मिनट पहले पकड़ी शराब की खेप, 97 बोतलें जब्त



24 न्यूज अपडेट

जोधपुर। जोधपुर से हड़पसर जाने वाली सुपरफास्ट एक्सप्रेस में शराब तस्करी का मामला सामने आया है। ट्रेन रवाना होने से महज पांच मिनट पहले रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की टीम ने एसी कोच में सीट के नीचे रखे पांच बैग से 97 बोतल शराब बरामद की। जन्त शराब की कीमत 1 लाख 3 हजार 150 रुपए बताई गई है। शराब राजस्थान से गुजरात के सावरमती में बेचने के लिए ले जाई जा रही थी। मामले में पाली जिले के गुढा कला निवासी 36 वर्षीय कमल किशोर सोनी को पकड़कर जीआरपी के सुपुर्द किया गया है। आरपीएफ की यह कार्रवाई सोमवार रात करीब 9:55 बजे ट्रेन संख्या 20495 जोधपुर-

व्हाट्सएप के जरिए आगे पहुंचाए गए हल किए पेपर

जांच के अनुसार, प्रश्नपत्र हल होने के बाद जगदीश विश्नोई ने उनके जवाब व्हाट्सएप के माध्यम से अपने संपर्कों तक पहुंचाए।



इंस्पेक्टर पद पर चयनित करवाया गया। एसओजी इस पूरे नेटवर्क में शामिल आरोपियों की भूमिका की जांच कर रही है। स्थायी वारंट के बाद घोषित हुआ था इनाम एसओजी के मुताबिक, गिरफ्तारी से बचने के लिए फरार हुए मांजू के खिलाफ अदालत ने 22 अप्रैल 2025 को

स्थायी गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। उसकी गिरफ्तारी पर 25 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था। आरोपी जालोर जिले के करड़ा थाना क्षेत्र की डीगांव स्थित गायणों की ढाणी का निवासी है। आईजी अजयपाल लांबा के अनुसार, आरोपी के संबंध में सूचना मिलने पर सिरोही पुलिस की मदद से कार्रवाई की गई। पिंडवाड़ा पुलिस ने 25 अक्टूबर को उसे हिरासत में लेकर जयपुर स्थित एसओजी कार्यालय में पेश किया। इसके बाद मामले के जांच अधिकारी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चिरंजीलाल मीणा ने उसे गिरफ्तार किया। एसओजी ने गिरफ्तारी मंगलवार को दर्शाई। अदालत ने आरोपी को 28 अक्टूबर तक पुलिस रिमांड पर सौंपा है।

157 आरोपियों तक पहुंची जांच एसओजी के अनुसार, एसआई भर्ती परीक्षा-2021 पेपरलीक मामले में अब तक कुल 157 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। जगदीश विश्नोई के खिलाफ तथा राजीव विश्नोई, प्रवीण विश्नोई और ओमप्रकाश ढाका के खिलाफ पूरक आरोप पत्र अदालत में पेश किए जा चुके हैं। मामले में एक अन्य आरोपी प्रवीण परावा भी फरार बताया गया है। जांच एजेंसी अब पेपरलीक नेटवर्क की अन्य कड़ियों और आरोपियों की भूमिका खंगाल रही है।

चित्तौड़गढ़ में ट्रांसफार्मरों से तेल चोरी करने वाले गिरोह का खुलासा, मुख्य आरोपी गिरफ्तार



24 न्यूज अपडेट

चित्तौड़गढ़। जिले में विद्युत ट्रांसफार्मरों से तेल चोरी करने वाले गिरोह का आकोला थाना पुलिस ने पर्दाफाश करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर करीब 251 लीटर चोरी का तेल, वारदात में इस्तेमाल ऑल्टो कार और चोरी करने के उपकरण बरामद किए हैं।

राजस्व लक्ष्य पूरा करने में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, पिछड़े जिलों को कार्ययोजना बनाने के निर्देश



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 27 अक्टूबर। आवकारी आयुक्त नमित मेहता ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए विभागीय समीक्षा बैठक में अधिकारियों को राजस्व लक्ष्य समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने

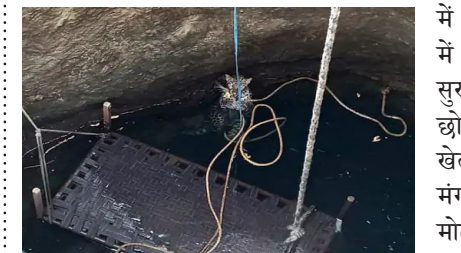
प्रारंभिक पृष्ठताछ में आरोपी ने जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में करीब 60 विद्युत ट्रांसफार्मरों से तेल चोरी करने की वारदातें कबूल की हैं। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी की पहचान हकीम (46) पुत्र बशीर मोहम्मद, जाति फकीर मुसलमान, निवासी बस स्टैंड के पास सिंहपुर, थाना कपासन, जिला चित्तौड़गढ़ के रूप में हुई है। आरोपी से पृष्ठताछ के आधार पर पुलिस गिरोह से जुड़ी अन्य वारदातों और इसमें शामिल लोगों के बारे में जानकारी जुटा रही है।

विद्युत संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों पर कार्रवाई ट्रांसफार्मरों से तेल चोरी होने से विद्युत व्यवस्था प्रभावित होने के साथ सरकारी संपत्ति को भी नुकसान पहुंचता है। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि विद्युत ट्रांसफार्मरों के आसपास किसी भी तरह की संदिग्ध गतिविधि नजर आने पर तुरंत पुलिस को सूचना दें।

कर विशेष कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए गए। बैठक में 25 अक्टूबर तक जयपुर शहर, जयपुर ग्रामीण, कोटा, भरतपुर, उदयपुर, अजमेर, बीकानेर और जोधपुर सहित विभिन्न जोन व जिलों की राजस्व प्रगति की समीक्षा की गई। अतिरिक्त आबकारी आयुक्त प्रदीप सिंह सांगावत ने जिलेवार लक्ष्य और प्रगति की रिपोर्ट प्रस्तुत की। बैठक में संबंधित जोन के अतिरिक्त आबकारी आयुक्त, जिला आबकारी अधिकारी, सहायक आबकारी अधिकारी और आबकारी निरीक्षक मौजूद रहे।

डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद कुएं से निकाली मादा तेंदुआ, चारपाई और जाल बना रेस्क्यू का सहारा

में उसे पिंजरे में शिफ्ट कर सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया गया। खेत मालिक मंगलवार को मोटर चालू करने कुएं के पास पहुंचा तो अंदर तेंदुआ दिखाई दिया। उसने वन विभाग को सूचना दी। उपवन संरक्षक वन्यजीव राजसमंद डीएफओ डॉ. रामानंद भाकर के निर्देश पर रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची। टीम में शूटर सुरेंद्र सिंह शक्तावत, वनरक्षक अटल सिंह, पन्नालाल कुमावत और गणपत नाथ सहित अन्य सदस्य शामिल थे। बेहोश करने के बजाय चारपाई से किया रेस्क्यू



24 न्यूज अपडेट

व्यावर। टॉडगढ़-रावली अभयारण्य की रावली रेंज के काजलवास गांव में मंगलवार को खेत के कुएं में गिरी चार वर्षीय मादा तेंदुए को वन विभाग की टीम ने करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद सुरक्षित बाहर निकाल लिया। तेंदुए को बिना बेहोश किए चारपाई और जाल की मदद से रेस्क्यू किया गया। बाद

पटाखे फोड़ने पर विवाद, गाड़ी के शीशे तोड़े और मारपीट का आरोप

उदयपुर। कुराबड़ थाना क्षेत्र के चासंदा गांव में पटाखे फोड़ने को लेकर विवाद और मारपीट का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार, चासंदा निवासी 62 वर्षीय शंकरलाल प्रजापत ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि 25 अक्टूबर को उनके घर के सामने कुछ लोगों ने पटाखे फोड़े। इस दौरान गाड़ी के शीशे तोड़ने और मारपीट करने का भी आरोप लगाया गया है। पुलिस ने प्रदीप मीणा, जगदीश, रोनक वेद, प्रतीक, योगेश मीणा और प्रताप सिंह सहित अन्य लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। मामले की जांच कुराबड़ थाना प्रभारी पवन सिंह कर रहे हैं।

झामरकोटड़ा में मारपीट का मामला दर्ज, छह नामजद सहित अन्य के खिलाफ रिपोर्ट

उदयपुर। कुराबड़ थाना क्षेत्र के झामरकोटड़ा में एक व्यक्ति के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार, बेस कैप चौराहा झामरकोटड़ा निवासी 62 वर्षीय ईश्वरदास वैष्णव ने रिपोर्ट दी कि 20 अक्टूबर 2026 को उनके साथ मारपीट की गई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने चिड़िया बाई, हीरा बाई, चंदा ओड़, लालूराम गुर्जर, दिनेश ओड़ और डालू ओड़ सहित अन्य लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धाराओं में मामला दर्ज किया है। प्रकरण की जांच कुराबड़ थाना प्रभारी पवन सिंह कर रहे हैं।

ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार की मौत, चालक के खिलाफ मामला दर्ज

उदयपुर। जिले के फलासिया थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे-58ई पर जाकड़ा के पास ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार की मौत हो गई। हादसे के संबंध में मृतक के बड़े भाई ने ट्रैक्टर चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस के अनुसार, झाड़ोल तहसील के विलावास ओड़ा निवासी किशनलाल परमार (42) ने रिपोर्ट में बताया कि उनका छोटा भाई सुरेश कुमार 15 अक्टूबर रात करीब 9 बजे मोटरसाइकिल से घर लौट रहा था। जाकड़ा के पास नेशनल हाईवे-58ई पर सामने से तेज गति और लापरवाही से आ रहे ट्रैक्टर ने उसकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। हादसे में सुरेश कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। रिपोर्ट के आधार पर फलासिया थाना पुलिस ने ट्रैक्टर नंबर RJ27RC7772 के चालक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 281 और 106(1) के तहत मामला दर्ज किया है। प्रकरण की जांच सहायक उपनिरीक्षक कालूलाल कर रहे हैं।

डबोक में रास्ता रोककर युवक से मारपीट, तीन लोगों के खिलाफ मामला

उदयपुर। डबोक थाना क्षेत्र के नांदवेल रोड पर रास्ता रोककर मारपीट करने का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार, ओरड़ी-ए निवासी 26 वर्षीय मनीष डांगी ने रिपोर्ट दी कि 26 अक्टूबर को शाम करीब 5:20 से 5:40 बजे के बीच आरोपियों ने रास्ता रोककर उसके साथ मारपीट की। पुलिस ने रमेश पालीवाल निवासी ओरड़ी-ए, डबोक और दो अन्य लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 115(2), 126(2) और 3(5) के तहत मामला दर्ज किया है। जांच हेड कांस्टेबल भैरूलाल कर रहे हैं।

रामनगर में परिवार पर हमला, वाहनों में तोड़फोड़ का आरोप

उदयपुर। सुखेर थाना क्षेत्र के रामनगर में एक परिवार के साथ मारपीट और घर के बाहर खड़े वाहनों में तोड़फोड़ करने का मामला दर्ज हुआ है। पुलिस के अनुसार, रामनगर निवासी डालू कालबेलिया ने रिपोर्ट में आरोप लगाया कि कुछ लोग एकराय होकर उनके परिजनों के साथ मारपीट कर चोटें पहुंचाने के साथ ही घर के बाहर खड़े टेम्पो, कार और मोटरसाइकिल को नुकसान पहुंचाया। पुलिस ने नाथू कालबेलिया सहित छह अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। प्रकरण में भारतीय न्याय संहिता की धारा 126(2), 115(2), 189(2) और 324(4) लगाई गई हैं। मामले की जांच सहायक उपनिरीक्षक राजेंद्र सिंह कर रहे हैं।

दीपावली मेला कल से, निगम को 1 करोड़ 1 लाख 11 हजार और झूलों से 85 लाख 11 हजार की आय



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 27 अक्टूबर। दीपावली के उल्लास को सुरु, संस्कृति, हास्य और काव्य की रंगत से सजाने के लिए नगर निगम का दीपावली मेला बुधवार से शुरू होगा। 28 अक्टूबर से 11 नवंबर तक चलने वाले इस 15 दिवसीय आयोजन में सात दिन सांस्कृतिक संघ्याएं होंगी, जबकि स्थानीय कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए दो दिन मंच मिलेगा। मेले का प्रमुख आकर्षण 30 अक्टूबर को होने वाली बॉलीवुड पार्श्व गायिका पलक मुच्छल की प्रस्तुति होगी। इसके अलावा भजन, लोकसंगीत, स्टैंडअप कॉमेडी और अखिल भारतीय कवि सम्मेलन भी दर्शकों को आकर्षित करेंगे। नगर निगम की ओर से आयोजित मेले का उद्घाटन 28 अक्टूबर को शाम 7:30 बजे राजस्थान सरकार के जनजाति क्षेत्रीय विकास एवं गृह रक्षा विभाग मंत्री बाबूलाल खराड़ी करेंगे। समारोह में मेवाड़ महामंडलेश्वर रासबिहारी शरण का सानिध्य रहेगा। सांसद मन्नालाल रावत, राज्यसभा सांसद चुन्नीलाल गरसिया, शहर विधायक ताराचंद जैन, ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा सहित अन्य जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक मौजूद रहेंगे।

भजन, बॉलीवुड संगीत

गुरु की कृपा से कठिन राह भी आसान : आचार्य मुक्तिसागर सूर्यश्वर



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। आयुध तीर्थ में आचार्य अभ्युदयसागर महाराज के जन्म शताब्दी वर्ष की पूर्णाहुति एवं 101वें वर्ष में मंगल प्रवेश पर धार्मिक और सेवा कार्य हुए। आचार्य डॉ. मुक्तिसागर सूर्यश्वर महाराज ने कहा कि गुरु के बिना जीवन की नैया पार नहीं होती। गुरु का मार्गदर्शन

पैकेजिंग नियमों की जांच में एक फर्म पर 5 हजार का जुर्माना



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 27 अक्टूबर। उपभोक्ताओं के हितों की सुरक्षा और पैकड वस्तुओं पर अनिवार्य घोषणाओं की पालना सुनिश्चित करने के लिए विधेयक माप विज्ञान विभाग ने मंगलवार को जिले के तीन प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। जांच के दौरान आशोका ड्राई फ्रूट्स

ही आत्मकल्याण का मार्ग प्रशस्त करता है। इस अवसर पर सिद्धचक्र महापूजन, पौधारोपण और जीवदया के कार्य किए गए। सूक-बधिर एवं दिव्यांग विद्यालय के 71 बच्चों को स्वेटर वितरित किए गए तथा जैन मंदिरों के 75 से 80 पुजारी भाई-बहनों का बहुमान किया गया। आयोजन में बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित रहे।

एवं स्पाइस मार्ट, एवेन्यू सुपरमार्ट लिमिटेड और जोधपुर स्वीट्स में पैकड वस्तुओं की लेबलिंग, पैकेजिंग डिक्लरेशन और संबंधित दस्तावेजों की जांच की गई। विधेयक माप विज्ञान अधिकारी राकेश माहेश्वरी ने बताया कि निरीक्षण में पैकेजिंग रजिस्ट्रेशन नहीं मिलने पर एक पैकिंग फर्म पर 5 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया। अन्य प्रतिष्ठानों में अनिवार्य घोषणाएं और पैकेजिंग संबंधी नियम संतोषजनक पाए गए। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति तथा उपभोक्ता मामले मंत्री सुमित गोदारा के निर्देशानुसार चलाए जा रहे अभियान के तहत विभाग आगे भी नियमित जांच जारी रखेगा।

और कॉमेडी से सजेगी सांस्कृतिक संध्याएं

दीपावली मेले में हर दिन दर्शकों के लिए अलग-अलग रंग के कार्यक्रम तैयार किए गए हैं। पहले दिन 28 अक्टूबर को भजन गायिका अनामिका अंबर और छोटू सिंह रावणा की प्रस्तुतियों से सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरुआत होगी। 29 अक्टूबर को रेपरिया बालम बैड और फकीरा खान फोक बैड अपनी प्रस्तुतियों से लोकसंगीत की छटा बिखेरेंगे।

30 अक्टूबर की शाम बॉलीवुड की लोकप्रिय पार्श्व गायिका पलक मुच्छल के नाम रहेगी। 'आशिकी 2' के गीत 'चाहूं मैं या ना' और 'एम.एस. धोनी: द अनटोल्ड स्टोरी' के गीत 'कौन तुझे' से पहचान बनाने वाली पलक मुच्छल अपनी सुरीली आवाज से श्रोताओं को संगीत की दुनिया में ले जाएंगी।

31 अक्टूबर को उदयपुर के स्थानीय कलाकारों की प्रस्तुतियां होंगी। वहीं, 1 नवंबर को पहली बार मेले में स्टैंडअप कॉमेडी नाइट आयोजित की जाएगी। इसमें मशहूर कॉमेडियन गौरव गुप्ता अपनी हास्य प्रस्तुतियों से दर्शकों को गुदगुदाएंगे। 2 नवंबर को एक बार फिर स्थानीय प्रतिभाओं को मंच दिया जाएगा। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की अंतिम शाम 3 नवंबर को वंडर सीमेंट के सहयोग से अखिल भारतीय कवि

सम्मेलन आयोजित होगा। इसमें शैलेश लोढ़ा सहित देश के जाने-माने कवि अपनी रचनाओं का पाठ करेंगे।

मेले के संयोजक प्रमोद सामर के अनुसार, सांस्कृतिक कार्यक्रम 28 अक्टूबर से 3 नवंबर तक नगर निगम परिसर में प्रतिदिन होंगे, जबकि दुकानें और झूले 11 नवंबर तक संचालित रहेंगे। आयोजन में प्रवेश पूरी तरह निःशुल्क रखा गया है। निगम का उद्देश्य शहरवासियों को मनोरंजन के साथ स्थानीय कलाकारों को प्रोत्साहन देने का अवसर उपलब्ध कराना है।

21 समितियों के जिम्मे व्यवस्थाएं, पार्किंग से सुरक्षा तक इंतजाम

नगर निगम ने मेले के संचालन के लिए 21 समितियों का गठन किया है। महापौर पारस सिंघवी ने बताया कि मेले में दुकानों से 1 करोड़ 1 लाख 11 हजार रुपये और झूलों से 85 लाख 11 हजार रुपये की आय हुई है। आयोजन के सुव्यवस्थित संचालन के लिए मंच, दर्शक दीर्घा, प्रेस दीर्घा, वीआईपी दीर्घा और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया कवरेज के लिए विशेष व्यवस्था की जा रही है। बैरिकेडिंग पर जालियां लगाई गई हैं, ताकि भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। दुकानों को निगम परिसर के सामने स्थित मैदान तथा दक्षिणी और पीछे के मैदान में व्यवस्थित रूप से लगाया गया है। यहां खरीदारी के साथ खानपान के विभिन्न विकल्प भी उपलब्ध रहेंगे। परिसर में आकर्षक विद्युत सजावट की गई है और सांस्कृतिक संघ्याओं के अनुरूप मंच की साज-सज्जा बदली जाएगी। कार्यक्रमों का सीधा प्रसारण दिखाने के लिए प्रोजेक्टर लगाए जाएंगे, जबकि सीसीटीवी कैमरों के जरिए पूरे आयोजन स्थल की निगरानी होगी।

डॉ. कमल सिंह राठौड़ को फार्मसी टीचर ऑफ एमिनेंस अवार्ड



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। वीएन कॉलेज ऑफ फार्मसी के प्रोफेसर डॉ. कमल सिंह राठौड़ को रायपुर में आयोजित 28वें राष्ट्रीय एंटीकॉन-2026 में प्रतिष्ठित डॉ. एन. उड्पा मणिपाल-फार्मसी टीचर ऑफ एमिनेंस अवार्ड से सम्मानित किया गया। एसोसिएशन ऑफ फार्मास्युटिकल टीचर्स ऑफ इंडिया की ओर से उन्हें प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिह्न और 10 हजार रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। फार्मसी शिक्षण, अनुसंधान और मार्केटिंग क्षेत्र में करीब 30 वर्षों का अनुभव रखने वाले डॉ. राठौड़ के 200 से अधिक शोध लेख प्रकाशित हो चुके हैं। उनकी उपलब्धि पर वीएन संस्थान प्रबंधन ने बधाई दी।

मतदान को लेकर न्यायालयों में अवकाश घोषित

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 27 अक्टूबर। राजस्थान उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार पंचायतीराज चुनाव - 2026 के द्वितीय एवं तृतीय चरण में प्रस्तावित मतदान को लेकर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ज्ञानप्रकाश गुप्ता ने संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान दिवस पर सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है। जारी आदेश के अनुसार न्यायालय सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट कोटड़ा, न्यायालय वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश एवं अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट गोगुन्दा एवं न्यायालय सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट गोगुन्दा में 28 अक्टूबर एवं 30 अक्टूबर को अवकाश रहेगा। इसी प्रकार न्यायालय अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश खेरवाड़ा, न्यायालय वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश एवं अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट खेरवाड़ा एवं न्यायालय सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट खेरवाड़ा तथा ग्राम न्यायालय खेरवाड़ा में 3 नवम्बर तथा 5 नवम्बर को अवकाश रहेगा।

महापौर ने स्कूटर लेकर किया पार्किंग का औचक निरीक्षण, ज्यादा वसूली पर ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट करने के निर्देश पर्यटकों से अभद्र व्यवहार और निर्धारित शुल्क से अधिक राशि मांगने का मामला आया सामने, अब निगम संभालेगा पार्किंग की व्यवस्था



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर के प्रमुख पर्यटन स्थल जगदीश चौक स्थित आसीद की हवेली पार्किंग में अनियमितताओं की शिकायतों पर महापौर पारस सिंघवी ने मंगलवार को औचक निरीक्षण किया। महापौर खुद स्कूटर लेकर पार्किंग स्थल पर पहुंचे और पार्किंग शुल्क जमा कराने के दौरान निर्धारित दर से अधिक राशि मांगे जाने का मामला सामने आया। पर्यटकों से अभद्र व्यवहार और शुल्क दरों की सूची प्रदर्शित नहीं होने जैसी अनियमितताएं मिलने पर महापौर ने संबंधित ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट करने के निर्देश दिए। साथ ही पार्किंग

शुल्क की जानकारी नहीं मिल पा रही थी। महापौर ने स्वयं स्कूटर पार्क करने के दौरान शुल्क जमा कराया तो कर्मचारी ने निर्धारित राशि से अधिक पैसे मांगे। इस पर उन्होंने मौके पर ही अधिकारियों को बुलाकर कार्रवाई के निर्देश दिए। महापौर ने राजस्व अधिकारी नितेश भटनागर, राजस्व निरीक्षक विजय जैन और निगम पुलिस निरीक्षक मांगीलाल डांगी को मामले में नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक पार्किंग स्थलों पर आमजन और पर्यटकों से अभद्र व्यवहार तथा निर्धारित दरों से अधिक वसूली बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

छह पंचायत समितियों के 458 बूथों पर कल मतदान, 284 प्रत्याशी मैदान में



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 27 अक्टूबर। पंचायतीराज आम चुनाव के दूसरे चरण में बुधवार को उदयपुर जिले की सायरा, कोटड़ा, सुलाव, गोगुंदा, बड़गांव और देवला पंचायत समितियों में 458 बूथों पर

मतदान होगा। जिला परिषद के 14 वार्डों में 36 और पंचायत समिति के 96 वार्डों में 248 प्रत्याशियों सहित कुल 284 उम्मीदवारों का भाग्य 3 लाख 89 हजार 323 मतदाता तय करेंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी गौरव अग्रवाल के निर्देशन में मतदान दलों का अंतिम प्रशिक्षण मंगलवार को सुखाड़िया रंगमंच सभागार और फतह स्कूल परिसर में हुआ। प्रशिक्षण के बाद दल मतदान सामग्री लेकर अपने निर्धारित केंद्रों के लिए रवाना हुए। पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देशन में सुरक्षा कर्मियों को भी शांतिपूर्ण मतदान और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए गए। उप जिला निर्वाचन अधिकारी दीपेंद्रसिंह राठौड़, एडीएम सिटी जितेंद्र ओझा, प्रशिक्षण प्रकोष्ठ प्रभारी कीर्ति राठौड़ और डॉ. महामायाप्रसाद चौबीसा सहित अन्य अधिकारी प्रशिक्षण में मौजूद रहे।

लेकसिटी इंटरनेशनल शतरंज में शीर्ष खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। 9वीं एनएल पंडियार मेमोरियल लेकसिटी इंटरनेशनल फिडे रेटिंग ओपन शतरंज टूर्नामेंट में खिताब की दौड़ रोमांचक हो गई है। प्रतियोगिता में 22 राज्यों और दो देशों के 500 से अधिक खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। छठे चक्र

के मुकाबलों के बीच एस. धनंजय, श्रेयांश सिंह, आयुष कावरा और विनय कुमार मट्टा सहित शीर्ष खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। महाराष्ट्र के शौर्य बागडिया सहित 13 खिलाड़ी साढ़े चार अंकों के साथ चुनौती दे रहे हैं। इनमें पृथ्वी शर्मा, कियाना परिहार, राम प्रकाश, सितारामगुप्ता साहू, कुंडू कृष्णा, सोहिल शेख, ओम दयानंद रामगुड़े, जयंत सुरवरापु, राज कपूर, जितेंद्र कुमार चौधरी, ओम नागनाथ लामकाने, प्रखर सिंह गोसाई और राहुल मयनाला शामिल हैं। छठे चक्र का उद्घाटन पूर्व कुलपति प्रो. आई.वी. त्रिवेदी, उमेश मनवानी और प्रवीण कुमार कोठारी ने पहली चाल चलकर किया। आयोजक आईए विकास साहू, चेस इन लेकसिटी अध्यक्ष आईए राजेंद्र तेली और उप मुख्य निर्णायक आईए नीलेश कुमावत ने अतिथियों का स्वागत किया। मुख्य निर्णायक इंटरनेशनल आर्बिटर आईए सुनील सोनी के अनुसार, प्रतियोगिता का सातवां चक्र बुधवार सुबह 9:30 बजे खेला जाएगा।

दीपावली मेले का आगाज कल से, गैप सागर झील पर पहली बार होगा लेजर शो



24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुर। दीपावली के उत्सव को खास बनाने

के लिए नगर परिषद की ओर से 28 अक्टूबर को लक्ष्मण मैदान में दीपावली मेले का उद्घाटन किया जाएगा। सभापति सुशीला गुप्ता ने बताया कि मेले में खरीदारी, झूले और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ मनोरंजन के कई आकर्षण होंगे। इस बार शहर में पहली बार गैप सागर झील और बादल महल के आसपास लेजर बीम, ग्राफिक्स और लाइट एंड साउंड शो आयोजित किए जाएंगे। इसके साथ एसएफएक्स पटाखा और ऑटो स्ट्रीम शो भी होंगे। मेले में राजस्थानी लोकनृत्य, राष्ट्रीय कवि सम्मेलन, ऑर्केस्ट्रा, बॉलीवुड-सूफी नाइट, लाइव बैड, भजन संघ्या और डांस-कॉमेडी नाइट सहित कई कार्यक्रम होंगे। मेले को लेकर लक्ष्मण मैदान में तैयारियां जारी हैं।